THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL

THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत पर पारिवारिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. श्वेतम कुमारी शिक्षिका (गृह विज्ञान)
राजकीयकृत बालिका +2 विद्यालय, काशीपुर, समस्तीपुर

शोध-सारांश-

प्रस्तुत शोध विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत पर पारिवारिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना था। इसके लिए समस्तीपुर (बिहार राज्य) के समस्तीपुर अनुमंडलस्तरीय क्षेत्र से प्रतिदर्श के रूप में 250 विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का चयन उद्देश्यात्मक चयन पद्धति के आधार पर किया गया। विद्यार्थियों की उम्र 03 वर्ष से 06 वर्ष (औसत उम्र 4.5 वर्ष) थी। विद्यार्थियों के संबंध में अध्ययन की आदत की जानकारी उनके अभिभावकों से स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से संगत सूचनाओं को एकत्रित किया गया। संग्रहित की गई सूचनाओं को विश्लेषित करते हुए वर्तमान संदर्भ में परिणाम तैयार किया गया। तैयार किए गए परिणाम के आधार पर स्पष्ट है कि, विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर पारिवारिक कारकों की स्पष्ट एवं सार्थक भूमिका होती है।

शब्द कुंजी: *विद्यार्थियों, अध्ययन, आदत, पारिवारिक, कारक, विश्लेषणात्मक, प्रभाव*

परिचय:

विद्यार्थी हमारे परिवार, समाज एवं देश के भविष्य होते हैं। यदि हम अपने परिवार, समाज अथवा देश को समृद्ध एवं विकसित होते देखना चाहते हैं, तो हमें अपने विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना होगा। इस दृष्टि से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत बनाने की अनिवार्यता को स्वीकार करना प्रत्येक अभिभावकों के लिए अनिवार्य होना अपेक्षित होता है।

अध्ययन की आदत अध्ययन से संबंधित वैसी गतिविधियों के समूह से होता है, जिसमें नियमित अध्ययन के लिए समय प्रबंधन, नोट लिखना, एकाग्रता, जागरूकता, परीक्षा की तैयारी इत्यादि रणनीतियाँ सम्मिलित होती हैं। इस तरह की आदतें विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति अच्छी आदतों का निर्माण एवं अभ्यास की आदत को बढ़ाती हैं।

अध्ययन की आदत विद्यार्थियों में उचित एवं सही शिक्षा के लिए आवश्यक होती है। इस संबंध में विभिन्न विशेषज्ञों का परामर्श है कि, अध्ययन की आदत से विद्यार्थी अपनी शिक्षा एवं शैक्षिक उपलब्धि के लिए उचित विकास को संभव बना सकते हैं।

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

पारिवारिक कारक का तात्पर्य वैसे कारक से होता है, जो परिवार से संबंधित होता है। पारिवारिक कारक के अंतर्गत परिवार में माता-पिता के बीच आपसी संबंध, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, परिवार का प्रकार, परिवार के निवास का क्षेत्र, माता-पिता की विद्यार्थियों के प्रति मनोवृत्ति, परिवार का शैक्षिक इतिहास इत्यादि कारक सम्मिलित होती हैं। विभिन्न शोधों के आधार पर बताया गया है कि पारिवारिक कारक विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को प्रभावित करती हैं।

विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत और पारिवारिक कारक के बीच संबंधों को किसी भी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, क्योंकि विद्यार्थी किसी-न-किसी परिवार के सदस्य होते हैं और परिवार में विभिन्न प्रकार के कारक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को प्रभावित करते हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के निमित्त अध्ययन की आदत डालने की आवश्यकता को समझते हुए **"विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर पारिवारिक कारकों के प्रभाव का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन"** नामक शीर्षक पर शोध कार्य किया गया है।

पूर्व के अध्ययनों की समीक्षा:

- विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत और अन्य कारकों से संबंधित पूर्व में किए गए शोध कार्यों का अवलोकन किया गया है, जिससे शोध कार्य सही दिशा में हो एवं शोध की मान्यता बनी रहे।
- चौधरी (2013) ने उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अध्ययन आदत और शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन किया है और परामर्शित किया है कि विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति जैसी आदत होती है, उसी तरह का वह शैक्षिक प्रदर्शन पर सकारात्मक एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- राजा एवं रेड्डी (2013) ने उच्च विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक आदत पर टेलीविजन देखने की आदत के प्रभाव का अध्ययन किया है और अपने परिणाम के आधार पर कहा है कि टेलीविजन देखने की अत्यधिक आदत विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
- चामुंडेश्वरी इत्यादि (2014) ने विद्यार्थियों में अध्ययन आदत, स्वावधारणा एवं शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन किया है और निष्कर्ष के रूप में पाया है कि विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर उनकी अपने प्रति अवधारणा एवं अध्ययन के प्रति आदत का सार्थक एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

- अध्ययन आदत और शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में सिंह (2015) ने एक अध्ययन के आधार पर परामर्शित किया है कि अध्ययन आदत का क्षेत्र एवं स्तर एवं शैक्षिक प्रदर्शन की भिन्नता पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी कहा है कि विषय की भिन्नता भी विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को प्रभावित करती है।
- सिन्हा (2017) ने विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि का अध्ययन किया है और परामर्शित किया है कि विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि को परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्रभावित करती है।
- शुक्ला इत्यादि (2020) ने शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदत, परीक्षा चिंता इत्यादि का अध्ययन किया है और निष्कर्ष के रूप में पाया है कि, विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन आदत का सकारात्मक जबकि परीक्षण चिंता का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अध्ययन आदत की दृष्टि से यौन संबंधी भिन्नता पाया है।

शोध का उद्देश्य:

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत पर पारिवारिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना था।

परिकल्पनाएँ:

इस शोध में निम्नांकित परिकल्पनाएँ बनाई गई थीं:

(i) विद्यार्थियों में सीखने की आदत पर परिवार की शिक्षा संबंधी कारक का सकारात्मक प्रभाव होगा,

(ii) विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर अभिभावक-बालक संबंध का सकारात्मक प्रभाव होगा,

(iii) विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर यौन संबंधी कारक का सार्थक प्रभाव होगा एवं

(iv) परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर सकारात्मक प्रभाव होगा।

प्रविधि:

(i) प्रतिदर्श:इस शोध में उत्तरदाता के रूप में समस्तीपुर जिला के समस्तीपुर अनुमंडलीय क्षेत्र से कुल 150 विद्यार्थियों (उम्र 05 से 08 वर्ष) को उद्देश्यात्मक चयन पद्धति के आधार पर किया गया। विद्यार्थियों के संदर्भ में अध्ययन के प्रति आदत की जानकारी के

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

लिए उनके अभिभावकों से स्वनिर्मित प्रश्नावली के सहारे संगत सूचनाओं का संग्रहण किया गया।

(ii) प्रदत्त संग्रह की प्रक्रिया:चयनित उत्तरदाताओं से प्रदत्त-संग्रह के लिए अध्ययन क्षेत्र का भ्रमण किया गया एवं उत्तरदाताओं को लक्षित करते हुए उनकी सूची बनाई गई। तत्पश्चात् उन्हें प्रदत्त-संग्रह के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उनके बाद तैयार किए गए प्रश्नावली के माध्यम से अल्पसमूह बनाकर प्रदत्त-संग्रह का कार्य किया गया।

(iii) प्रदत्तों का विश्लेषण:संग्रहित किए गए प्रदत्तों को विश्लेषणात्मक पद्धति के आधार पर विश्लेषित करते हुए परिणाम तैयार किया गया।

परिणाम:

सारणी संख्या-(i)विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर परिवार की शिक्षा संबंधी कारक का अध्ययन संबंधी परिणाम

समूह संख्या	अध्ययन के प्रति आदत का स्तर	उच्च	निम्न
शिक्षित परिवार के विद्यार्थी	115	78 (67.83%)	37 (32.17%)
अशिक्षित परिवार के विद्यार्थी	135	56 (41.48%)	79 (58.52%)

सारणी संख्या-(ii)विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर अभिभावक-बालक संबंध के प्रभाव से संबंधित परिणाम

समूह संख्या	अध्ययन के प्रति आदत का स्तर	उच्च	निम्न
सकारात्मक अभिभावक-बालक संबंध वाले विद्यार्थी	140	92 (65.71%)	48 (34.29%)
नकारात्मक अभिभावक-बालक संबंध वाले विद्यार्थी	110	32 (29.09%)	78 (70.91%)

सारणी संख्या-(iii)यौन संबंधी कारक का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत का प्रभाव संबंधी परिणाम

समूह संख्या	अध्ययन के प्रति आदत का स्तर	उच्च	निम्न
लड़के उत्तरदाता	125	42 (33.6%)	83 (66.4%)
लड़की उत्तरदाता	125	91 (72.8%)	34 (27.2%)

सारणी संख्या-(iv)परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत का प्रभाव संबंधी परिणाम

समूह संख्या	अध्ययन के प्रति आदत का स्तर	उच्च	निम्न
उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी	170	119 (70%)	51 (30%)
निम्न सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी	80	31 (38.75%)	49 (61.25%)

व्याख्या:

सारणी संख्या-(i) में प्रस्तुत किए गए परिणाम के अवलोकन से स्पष्ट है कि परिवार की शिक्षा संबंधी इतिहास का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि शिक्षित परिवार में अध्ययन के प्रति आदत वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, जबकि अशिक्षित परिवार में अध्ययन केप्रति आदत वाले विद्यार्थियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। अतः इस परिणाम के संदर्भ में कहा जा सकता है कि परिवार में शिक्षा का वातावरण विद्यार्थियों में शिक्षा एवं अध्ययन के प्रति आदत को प्रेरित करती है। अतः यह परिणाम पूर्व में निर्मित परिकल्पना संख्या-(i) कि, "**विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर परिवार की शैक्षिक इतिहास का सकारात्मक परिणाम होगा**"प्रमाणित होती है।

सारणी संख्या-(ii) में दर्शाए गए परिणाम के अवलोकन से स्पष्ट है कि, विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को अभिभावक-बालक का सकारात्मक संबंध बढ़ाता है, क्योंकि सकारात्मक अभिभावक-बालक संबंध वाले कुल 140 परिवारों का 65.71 प्रतिशत अर्थात् 92

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पाई गई है, जबकि नकारात्मक अभिभावक-बालक संबंध वाले कुल 110 परिवारों के मात्र 32 अर्थात् 29.09 प्रतिशत विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पाई गई है। इस तरह के परिणाम के संबंध में कहा जा सकता है कि, परिवार में अभिभावक का विद्यार्थियों के साथ जब अच्छा संबंध होता है, तो परिवार में विद्यार्थी भी सही ढंग से अध्ययन करने में अभिरुचि लेते हैं। अतः यह परिणाम पूर्व में निर्मित परिकल्पना संख्या-(ii) कि, **"अभिभावक-बालक संबंध का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी"**कार्यात्मक शोध के आधार पर प्रमाणित होती है।

सारणी संख्या-(iii) में वर्णित परिणाम के अवलोकन से स्पष्ट है कि, अध्ययन की आदत की दृष्टि से लड़कियों की संख्या अधिक (92 अर्थात् 72.8 प्रतिशत) है, जबकि लड़कों की संख्या अपेक्षाकृत कम (31 अर्थात् 38.35 प्रतिशत) है। इस तरह के परिणाम के आलोक में कहा जा सकता है कि लड़कों की अपेक्षा लड़कियाँ अध्ययन कार्य में अधिक अभिरुचि लेती हैं, जिससे उनकी अध्ययन के प्रति आदत अधिक है। इस प्रकार यह परिणाम पूर्व में निर्मित परिकल्पना संख्या-(iii) कि**"विद्यार्थियों में सीखने की आदत पर यौन संबंधी कारक का प्रभाव होगा"**प्रमाणित होती है।

सारणी संख्या-(iv) में उपस्थापित किए गए परिणाम के अवलोकन से स्पष्ट है कि, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि अध्ययन के प्रति आदत वाले अधिकांश विद्यार्थी (119 अर्थात् 70 प्रतिशत) उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले परिवार से संबंधित थे। इस प्रकार के परिणाम के संबंध में कहा जा सकता है कि, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति उच्च होने से विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी सुविधाएँ मिलती रहती हैं, जिससे वे अध्ययन के प्रति जागरूक एवं अभ्यस्त होती हैं। अतः इस तरह यह परिणाम पूर्व में निर्मित परिकल्पना संख्या-(iv) कि, **"परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर सकारात्मक प्रभाव होगा"**कार्यात्मक शोध के आधार पर प्रमाणित होती है।

निष्कर्ष:

प्रस्तुत शोध में निष्कर्ष के आधार पर कहा जा सकता है कि–

(i) शिक्षित परिवार में अशिक्षित परिवार की अपेक्षा विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत अच्छी होती है।

(ii) विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर अभिभावक-बालक संबंध का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, अर्थात् विद्यार्थियों के साथ अभिभावक के अच्छा संबंध का विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

(iii) लड़कों की अपेक्षा लड़कियों में अध्ययन के प्रति अच्छी आदत होती है एवं

(iv) विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत पर परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शोध की शैक्षिक महत्ता:

इस शोध की शैक्षिक महत्ता काफी अधिक है, क्योंकि इस शोध का परिणाम किसी भी शैक्षिक संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति आदत को बढ़ाएगा और उनकी जीवन कुशलता को बढ़ाएगा।

शोध की सीमाएँ:

प्रस्तुत शोध में कुछ हुई गलतियों को शोधार्थी स्वभावतः स्वीकार करने में संकोच नहीं करती हैं, क्योंकि अल्प संख्या वाले प्रतिदर्श के आधार व्यापक जनसंख्या के लिए परिणाम बनाना कुछ कमियों को दर्शाता है। साथ ही, शोध कार्य के क्रम में तकनीकी संसाधनों के समुचित प्रयोग में हुई कठिनाइयों के कारण गलतियाँ होना स्वाभाविक है।

परामर्शन:

प्रस्तुत शोध में शोध कार्य के आधार पर परामर्शन के रूप में कहा जा सकता है कि, किसी भी विद्यार्थी के लिए अध्ययन की आदत एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो उनमें शैक्षिक-संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, अध्ययन के प्रति आदत विद्यार्थी के व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारक से निर्देशित होती है। अतः इस शीर्षक को लेकर व्यापक स्तर पर प्रतिदर्श बनाकर शोध कार्य करने की आवश्यकता है।

संदर्भ-सूची:

- अग्रवाल, एस॰ एवं गुप्ता, डी॰ (2017): उद्यमिता एवं सशक्तिकरण विकास की दृष्टि से गृह-विज्ञान की शिक्षा की महत्ता, महिला सशक्तिकरण आधारित पत्रिका, 2(1), 38-44.
- चामुंडेश्वरी, एस॰, श्रीदेवी, भी॰ एवं कुमारी ए॰ (2014): विद्यार्थियों के अध्ययन आदत, स्व-अवधारणा एवं शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन, मानवीय सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा आधारित शोध पत्रिका, वॉल्यूम-1(10), 47-55.

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

- चौधरी, एå़एनå़ (2013): उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अध्ययन आदत और शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन, मानवीय एवं सामाजिक विज्ञान आधारित शोध पत्रिका, वॉल्यूम-1(3), 52-54.
- राजा एमå़ एवं रेड्डी, पीå़ (2013): उच्च विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों के अध्ययन आदत पर टेलीविजन देखने की प्रवृत्ति का अध्ययन, सामाजिक विज्ञान आधारित अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, वॉल्यूम-3(2) 246-259.
- राना आरåएå़ एवं महमूद, एनå़ (2010): शैक्षिक उपलब्धि और परीक्षण चिंता के बीच संबंध का अध्ययन, शिक्षा एवं शोध आधारित पत्रिका, 32(2), 63-74.
- वर्मा, एå़, तिवारी, एसå़, झा, एमå़ एवं मिश्रा, एमå़ (2021): किशोरों के शैक्षिक उपलब्धि में इंटरनेट के प्रयोग की भूमिका, शिक्षा आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, Doi: 10.52228.
- शुक्ला, पीå़, गजपाल, कåएनå़, झा, एमå़ एवं मित्रा, एमå़ (2020): किशोरों में अध्ययन आदत, परीक्षण चिंता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन, रविशंकर विश्वविद्यालय से संबंधित शोध पत्रिका, वॉल्यूम-26(1), 63-76.
- शुक्ला पीå़ एवं कौशिक, एसå़ (2017): गृह विज्ञान की शिक्षा: उद्यमिता कुशलता का एक उपकरण, समसामयिक वैज्ञानिक शोध आधारित पत्रिका, 8(6), 17792-17795.
- सेन, जीåकेå़ (1992): उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं अध्ययन की आदत का अध्ययन, व्यक्तित्व आधारित अंतर्राष्ट्रीयपत्रिका, 1(2), 168-182.
- सिंह, पीåएनå़ (2015): विद्यार्थियों के अध्ययन आदत के स्तर की भिन्नता का शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव का अध्ययन; शिक्षा एवं शोध आधारित पत्रिका, वॉल्यूम-5(3), 350-359.
- सिंह, एमå़ (2013): इंटरमीडिएट महाविद्यालय के लड़के एवं लड़कियों में अध्ययन की आदत का तुलनात्मक अध्ययन, सृजनात्मक शोध चिंतन आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1(1), 625-741.
- सिन्हा, एåकेå़ (2017): विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि का अध्ययन, शिक्षा एवं मानविकी आधारित शोध पत्रिका, वॉल्यूम-5(2), 314-323.
- वैज्ञानिक विकास और शोध आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 18, 2, 237-240